Seventeenth Loksabha

>

Title: Need to establish a Kendriya Vidyalaya in Jaunpur, Uttar Pradesh.

श्री श्याम सिंह यादव (जौनपुर): हम यह अवगत कराना चाहते हैं कि जौनपुर उत्तर प्रदेश का एक प्राचीन एवं ऐतिहासिक शहर है जो प्राचीन काल से शिक्षा एंव संस्कृति का केंद्र रहा है । इसी कारण से इसे सिराजे हिन्दी (शिक्षा का केंद्र) के नाम से भी जाना जाता है । इतिहासकारों के अनुसार शेरशाह सूरी ने भी यहीं शिक्षा ग्रहण की थी और शेरशाह सूरी का बनवाया हुआ किला आज भी शहर के मध्यण में मौजूद है । 13वीं एवं 14वीं शताब्दी में जौनपुर शर्की सल्तनत की राजधानी हुआ करता था । शहर का महत्व इसी से समझा जा सकता है कि मुगल काल में अकबर ने शहरवासियों की सुविधा के लिए शहर के मध्यस से प्रवाहित होने वाली गोमती नदी पर पुल का निर्माण कराया था जो आज भी मौजूद है तथा इसे शाही पुल के नाम से जाना जाता है ।

जौनपुर शिक्षा के क्षेत्र का सिरमौर रहा है । इसे इस तथ्य से भी समझा जा सकता है कि इस समय शहर में 13 महाविद्यालय अवस्थित है । उदाहरण के तौर पर तिलकधारी महाविद्यालय अत्यन्त महत्वपूर्ण महाविद्यालय है । इस महाविद्यालय में इस समय 15,000 से अधिक छात्र एवं छात्राएं संस्थागत रूप से पंजीकृत होकर कला, विज्ञान, वाणिज्य, कृषि, विधि एवं शिक्षा संकाय में अध्ययन कर रहे है । जनपद के अनेकानेक छात्र भारतीय प्रशासनीक सेवा, पुलिस सेवा एवं विदेश सेवा के अधिकारी के रूप में भारत वर्ष के अनेक प्रांतों तथा विदेशों में कार्य कर रहे हैं । इसके अतिरिक्त जौनपुर शहर के विद्यार्थियों से शिक्षित छात्र दुनिया के विभिन्न देशों में कुशल चिकित्सक, इंजीनियर व शिक्षा के क्षेत्र में कीर्तिमान स्थापित कर रहे हैं । शिक्षा के क्षेत्र में इतनी महत्वपूर्ण विशेषताओं एवं विशिष्ट उपलब्धियों के बावजूद शहर में केंद्रीय विद्यालय संगठन का कोई भी विद्यालय नहीं है, जिसके कारण आर्थिक रूप से पिछड़े अनेक छात्र शिक्षा ग्रहण करने से वंचित रह जाते हैं ।

अतः सरकार से सादर अनुरोध है कि कृपया जौनपुर के लिये केंद्रीय विद्यालय संगठन का एक विद्यालय स्वीकृत करने हेतु सम्बंधित को निर्देश देने की कृपा करें । इसके लिये समस्त जनपदवासी आपके आभारी रहेंगे ।